BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
www.bordernewsmirror.com
Monday
18-12-2023

प्रियंका ने मुंबई की दो प्रॉपर्टी बेचीं

बॉलीवुड से इंटरनेशनल स्टार बनी प्रियंका चोपड़ा ने मुंबई में अपने दो पेंटहाउस बेच दिए हैं।

8

फिर भिड़ीं टीवी की ये दो बहुएं

टीवी की दो बहुएं अंकिता लोखंडे और ऐश्वर्या शर्मा भी आपस में बुरी तरह से भिड़ गईं.

8

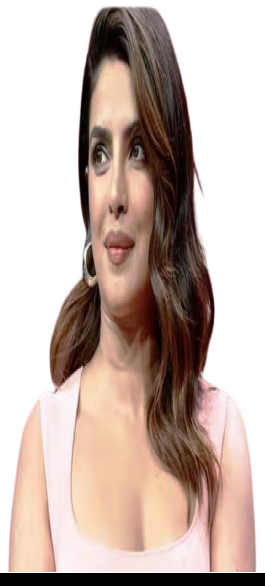

ऊप्स मोमेंट का शिकार हुईं जिया शंकर

जिया ऊप्स मोमेंट का शिकार हो गईं, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हाल ही में, जिया शंकर जियो मामी फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुईं।

8

उत्तर-दक्षिण की बातें व्यर्थ

दक्षिण भारतीय विद्वानों के लिए काशी वैदिक ज्ञान परम्परा का मुख्य केन्द्र रहा है। वेद, वेदांग और संस्कृत सहित ज्ञान दर्शन परम्परा का मुख्य क्षेत्र काशी भी रहा है।

5

www.bordernewsmirror.com Only bilingual Newspaper

5

BRIEFLY

सुकमा में नक्सली मुठभेड़, सीआरपीएफ एसआई शहीद, कांस्टेबल घायल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सुकमा में रविवार सुबह लगभग सात बजे जगरगुंडा थाना क्षेत्र में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में सीआरपीएफ के उप निरीक्षक सुधाकर रेड्डी बलिदान हो गए। इस दौरान कांस्टेबल रामू गोली लगने से घायल हो गए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सीआरपीएफ के 165वीं बटालियन के सब इंस्पेक्टर सुधाकर रेड्डी की शहादत को नमन किया है। उन्होंने घटना पर गहन शोक व्यक्त किया है। बताया गया है कि सुबह थाना जगरगुंडा अंतर्गत कैंप बेदरे से सीआरपीएफ 165वीं बटालियन की कंपनी उर्सांगल की तरफ आपरेशन पर निकली थी। इस दौरान घात लगाए बैठे नक्सलियों की स्माल एक्शन टीम की सीआरपीएफ के जवानों के साथ मुठभेड़ शुरू हो गई। इस मुठभेड़ में 165वीं बटालियन के सब इंस्पेक्टर सुधाकर रेड्डी बलिदान हो गए एवं कांस्टेबल रामू गोली लगने से घायल हो गए। घायल जवान को प्राथमिक उपचार कर हेलीकाप्टर के माध्यम से एयरलिफ्ट किया जा रहा है। पुलिस ने इस बीच चार संदिग्धों को कब्जे में लिया है। सीआरपीएफ, कोबरा एवं जिला बल द्वारा आसपास के इलाके की सघन सर्चिंग की जा रही है। तीन दिन पहले भी नक्सलियों ने पखांजूर इलाके में एक वारदात को अंजाम दिया था। इसमें बीएसएफ का एक जवान बलिदान हो गया था। शनिवार को पुलिस की टीम ने सर्चिंग के दौरान चार नक्सलियों को गिरफ्तार किया था।

Trending News

दिल्ली में मेट्रो ट्रेन से घिसटकर घायल हुई महिला ने दम तोड़ा

बीएनएम@नई दिल्ली

नई दिल्ली। दिल्ली में एक मेट्रो स्टेशन के गेट में महिला की साड़ी फंसने से हुई मौत पर परिवार और रिश्तेदारों में जबरदस्त गुस्सा है। महिला के शव को लेकर उन्होंने आज नांगलोई रोड पर जाम लगाकर नारेबाजी की। उनकी मांग है पीड़ित परिवार को इंसाफ दिया जाए। इन लोगों का आरोप है कि इसके दिल्ली मेट्रो जिम्मेदार है। इस महिला के पति रवि की पहले ही मौत हो चुकी है। दोनों छोटे बच्चे अनाथ हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन से गाजियाबाद की ओर जाने वाली मेट्रो ट्रेन के गेट में गुरुवार दोपहर 35 साल की रीना की साड़ी फंस गई थी। वह बेटे को लेकर मेट्रो स्टेशन पर पहुंची। उसे मेरठ जाना था। इसलिए वह गाजियाबाद जाने वाली ट्रेन में सवार हुई। लेकिन उसका बेटा प्लेटफार्म पर ही रह गया। वह बेटे के लिए वापस ट्रेन से उतरी तो उस वक्त उसकी साड़ी गेट में फंस गई। उसी वक्त मेट्रो ट्रेन चल पड़ी और वह घिसटती हुई चली गई। वह गंभीर रूप से घायल हो गई और बाद में उसकी हालात गंभीर हो गई। अलग-अलग हॉस्पिटल में उसका इलाज करवाया गया। शनिवार को उसने दम तोड़ दिया। इस तरह से हुई मौत का मामला पहली बार दिल्ली मेट्रो के इतिहास में आया है। हालांकि मेट्रो ने कहा है कि नियमों के तहत मुआवजा दिया जाएगा। लेकिन लोग सवाल कर रहे हैं कि यह कैसे हुआ है।

वायु सेना ने खुद अपने लिए तैयार किया स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम 'समर'

बीएनएम@नई दिल्ली

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना ने अभ्यास 'अस्त्र शक्ति' के दौरान स्वदेशी वायु रक्षा प्रणाली 'समर' का सफल फायरिंग परीक्षण किया है। वायु सेना स्टेशन सूर्य लंका में आयोजित अभ्यास के दौरान इन-हाउस डिजाइन और विकसित सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली ने पहली बार भाग लेकर विभिन्न संलग्न परिदृश्यों में फायरिंग परीक्षण उद्देश्यों को सफलतापूर्वक हासिल किया। इस वायु रक्षा मिसाइल का भारतीय वायुसेना के रखरखाव कमान के तहत एक इकाई ने विकसित किया है। यह प्रणाली मैक 2 से 2.5 की गति सीमा पर चलने वाली मिसाइलों के साथ हवाई खतरों का मुकाबला कर सकती है। 'समर' प्रणाली में एक द्विन बुर्ज लॉन्च प्लेटफ़ॉर्म शामिल है, जिसमें खतरे के परिदृश्य के आधार पर सिंगल और सैल्वो मोड में दो मिसाइलों को लॉन्च करने की क्षमता है। सुनिश्चित प्रतिशोध के लिए यह सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है। इसे वायु सेना के 7 बेस रिपेयर डिपो और 11 बेस रिपेयर डिपो ने सिमरन फ़्लोटेक इंडस्ट्रीज और यामाज़ुकी डेन्की के साथ साझेदारी में विकसित किया है। 'समर' छोटी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली है, जो रूसी मूल की विम्पेल आर-73 और आर-27 हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों का उपयोग करती है। भारतीय वायु सेना बेस रिपेयर डिपो (बीआरडी) ने सुनिश्चित प्रतिशोध के लिए सतही वायु मिसाइल (एसएएमएआर) वायु रक्षा प्रणाली विकसित की है।

नागपुर में सोलर एक्सप्लोसिव फैक्टरी में विस्फोट, नौ लोगों की मौत

बीएनएम@नागपुर

नागपुर। महाराष्ट्र में नागपुर जिले के बाजारगांव स्थित 'सोलर एक्सप्लोसिव' फैक्टरी में रविवार सुबह करीब नौ बजे हुए भीषण विस्फोट में नौ लोगों की मौत हो गई। इस फैक्टरी में बड़ी मात्रा में गोला-बारुद और केमिकल होने के कारण जानमाल के भारी नुकसान की आशंका जताई गई है। विस्फोट में तीन लोग घायल बताए जा रहे हैं। यह फैक्टरी सोलर एक्सप्लोरेशन कंपनी के मालिक उद्योगपति सत्यनारायण नुवाल की है। यह कंपनी देश की कई कंपनियों को गोला-बारुद सप्लाई करती है। साथ ही रक्षा क्षेत्र से जुड़ी कुछ कंपनियों को भी गोला-बारुद की आपूर्ति करती है। कंपनी में बड़ी मात्रा में रसायनों का प्रयोग किया जाता है। बताया गया है कि विस्फोट के समय फैक्टरी में गोला-बारुद का निर्माण किया जा रहा था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संदीप पखाले ने बताया कि राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। मृतकों की पहचान युवराज किशांजी, ओमेश्वर किसनलाल, मीता प्रमोद उइके, आरती नीलकांथी सहारे, स्वेताली दामोदर मारबटे, पुष्पा रामजी, भाग्यश्री सुधाकर, रुमिता विलास उइके और मोसम राजकुमार के रूप में हुई है।

संसद भवन चूक मामले में अनावश्यक तौर पर घसीटा जा रहा बंगाल का नाम : ममता बनर्जी

बीएनएम@कोलकाता

कोलकाता। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि हाल ही में संसद भवन में हुई सुरक्षा में सेंधमारी से जानबूझकर पश्चिम बंगाल को जोड़ा जा रहा है, ताकि वहां की गंभीर सुरक्षा खामियों से ध्यान भटकाया जा सके। नई दिल्ली रवाना होने से पहले नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मामले के मुख्य आरोपित ललित झा का पश्चिम बंगाल से कोई घनिष्ठ संबंध नहीं है। उन्होंने झा के कथित बंगाल कनेक्शन के बारे में अपनी पहली टिप्पणी में कहा कि उसके बिहार और झारखंड से संबंध थे, पश्चिम बंगाल से नहीं। इसलिए अनावश्यक रूप से इस मामले में हमारे राज्य का नाम घसीटा जा रहा है। बनर्जी ने स्वास्थ्य केंद्रों को भगवा रंग में रंगने संबंधी केंद्र के निर्देश का जिक्र करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि पार्टी यह भी तय करने की कोशिश कर रही है कि लोगों को क्या खाना या पहनना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी इस मामले में सुरक्षा व्यवस्था में खामियां स्वीकार की हैं। हम बस इतना चाहते हैं कि किसी स्वतंत्र एजेंसी से पूरी तरह से जांच हो। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इस सुरक्षा चूक मुद्दे पर सदन में मुखर रहे विपक्षी सांसदों को निलंबित कर दिया गया।

नशे के खिलाफ पटना में अंजू बॉबी जॉर्ज के साथ दौड़े हजारों लोग

बीएनएम@पटना

पटना। नशे के खिलाफ पटना के गांधी मैदान में रविवार को मैराथन, हाफ मैराथन का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। मैराथन में एथलेटिक्स अंजू बॉबी जॉर्ज के साथ 10 हजार धावकों ने नशामुक्ति का संदेश दिया। आज के मैराथन का टैगलाइन रन फॉर नशामुक्त बिहार रहा। इसका मुख्य उद्देश्य नशामुक्त बिहार का संदेश देना था। फुल और हाफ मैराथन की शुरुआत सुबह 5.30 बजे से हुई, जिसके बाद 7 बजे से 10 किमी की दौड़ का आयोजन हुआ फिर 5 किमी की दौड़ सुबह 8.30 से आयोजित हुई। गांधी मैदान से गंगा पथ, अटल पथ होते हुए पानी टंकी फुट ओवरब्रिज तक दौड़ का आयोजन हुआ। दौड़ में केन्या और इथोपिया के 12, देश के अन्य राज्यों से 500 और बिहार के 9500 धावक शामिल हुए। पहली बार आयोजित हो रहे पटना मैराथन में 42 किमी की दौड़ में करीब 200 धावक शामिल हुए। 21 किमी के हाफ मैराथन में करीब 800 धावक शामिल हुए। शेष धावक 10 किमी और 5 किमी की दौड़ में हिस्सा लिए। अंजू बॉबी जॉर्ज ने कहा कि मुझे काफी खुशी हुई है। मैं दूसरी बार पटना आई हूं। युवाओं ने बढ़ चढ़कर इसमें हिस्सा लिया और एसबीआई के तरफ से यह काफी अच्छी पहल है। इसके लिए मैं एसबीआई को काफी धन्यवाद देना चाहती हूं। इस तरह का कार्यक्रम एसबीआई लगातार आगे भी करवाता रहे यही उनसे निवेदन है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार की तरफ से भी नशा मुक्ति को लेकर काफी अच्छी पहल की गई है। हालांकि, यह एक दिन में संभव नहीं है लेकिन सरकार इसको लेकर सजग है और सरकार इसको लेकर काम कर रही है। यह काफी अच्छी बात है । मेरा मानना है कि नशा मुक्ति पुर देश में होनी चाहिए। मौके पर मौजूद मध्य निषेध विभाग के मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि एसबीआई के तरफ से भी यह अच्छी कोशिश की गई है। पिछले बार भी हाफ मैराथन की कार्यक्रम आयोजित करवाई गई थी। इस बार फुल मैराथन आयोजित हुआ है। दौड़ के आयोजन को लेकर सुरक्षा के लिए 40 मजिस्ट्रेट के साथ 150 पुलिस जवानों की तैनाती की गई थी। ट्रैफिक पुलिस के 500 जवान, 75 तकनीकी ऑफिसर्स, 150 वॉलेन्टियर्स भी तैनात थे। 20 सहायता स्टेशन और सभी श्रेणियों के लिए लीड वेहिकल का प्रबंध मौके पर मौजूद था। मैराथन का आयोजन मद्यनिषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग और एनईबी स्पोर्ट्स (एनईबी) के सहयोग से हुआ।

NEWS IN BRIEF

भारतीय जनता पार्टी क्रीड़ा प्रकोष्ठ की बिहार प्रदेश कमेटी घोषित

पटना। भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सतीश राजू ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी के निर्देशानुसार प्रदेश क्रीड़ा प्रकोष्ठ कमेटी की घोषणा की। इसके अनुसार सह-संयोजक-धीरेंद्र सिन्हा, बबन झा, राजशेखर, मुकेश पासवान, राजीव रंजन यादव, सह-संयोजक आयोजन समिति-जय प्रकाश मेहता, राजेश रोशन, विकास कुमार गोल्डी, सह-संयोजक स्टेडियम - आनंद मिश्रा, कोषाध्यक्ष - विकास सिंह, क्षेत्रीय प्रभारी - गौतम सिन्हा, मिथिलेश पाण्डेय, स्वर्णिम गुप्ता, आशुतोष पासवान, दिलीप कुमार सिंह, अमिलाष कुमार, आशुतोष कुमार सिन्हा, कार्यसमिति सदस्य - अमन कुमार इंडियन, अनुज कुमार, संतोष केशरी, अपूर्व कुमार, अवनीश कुमार, प्रमोद कुमार उर्फ़ भोला सिंह, राहुल कुमार, राजीव, रंजन सिंह, मोहित कुमार, शैलेन्द्र कुमार सिन्हा, विपुल कुमार, रमेश गुप्ता, मनीष रंजन, रत्नेश कुमार, राजन वास्तव, सुमित शर्मा, मीडिया प्रमुख एवं मुख्य प्रवक्ता आनंद सिन्हा, प्रवक्ता -सुमित झा, कुणाल गुप्ता, सोशल मीडिया प्रभारी- कुन्दन कुमार, रोहित सिन्हा, संयोजिका महिला खेल -कंचन, सह-संयोजिका महिला खेल - रिमझिम को बनाया गया है।

एक लाख लोगों के अयोध्या जाने का किया दावा

अररिया। फारबिसगंज विधायक विद्यासागर केशरी उर्फ मंचन केशरी ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के उद्घाटन समारोह में विधानसभा क्षेत्र से एक लाख लोगों के शिरकत करने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि जोगबनी से अयोध्या के लिए स्पेशल ट्रेन चलेगी। श्री राम जन्मभूमि अयोध्या में 22 जनवरी को नवनिर्मित राम जन्मभूमि मंदिर का भव्य उद्घाटन होना है।

जन स्वास्थ्य कर्मचारी का जिला सम्मेलन संघ भवन मे आयोजित

बीएनएम@सहरसा

सहरसा।बिहार चिकित्सा जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ का जिला सम्मेलन रविवार को स्वास्थ्य संघ भवन में सम्पन्न हुआ।जिसमें स्वास्थ्य संघ के महामंत्री सुबेश सिंह मुख्य अतिथि के रूप में,पर्यवेक्षक सहायक महामंत्री दिनेश कुमार, संयुक्त मंत्री अवलेश कुमारी अतिथि के रूप बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के जिला मंत्री शरद कुमार,संरक्षक सावन कर्ण, रमेश कुमार मौजूद रहे।महामंत्री सुबेश सिंह ने वर्तमान परिपेक्ष्य मे सरकार द्वारा कर्मचारियों के हक अधिकार को किस तरह छिनना चाहती है। उस पर विस्तृत से प्रकाश डाला। महामंत्री ने कहा सरकार पुरे तंत्र को कारपोरेट के हवाले कर के दोहन शोषण की नीति बना रही है। जिसे रोकने के लिए ससक्त संगठन बनाऐ रखना आवश्यक है।

नवादा पुलिस ने सात साइबर अपराधियों को किया गिरफ्तार ,11 मोबाइल जप्त

बीएनएम@नवादा

नवादा। नवादा पुलिस ने रविवार को जिले के वारसलीगंज थाने के मकनपुर गांव के बगीचे से सात साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 11 मोबाइल सहित ठगी के कई प्रामाणिक कागजात बरामद किए गए हैं। कई अपराधी पुलिस को देखकर भागने में सफल रहे । छापेमारी दल का नेतृत्व कर रहे नवादा के मुख्यालय डीएसपी कल्याण आनंद ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि मकनपुर गांव के बगीचे से साइबर अपराधियों द्वारा देश के महाराष्ट्र ,झारखंड, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश ,जम्मू कश्मीर ,छत्तीसगढ़ ,मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों के भोले - भाले नागरिकों से रिलायंस लोन लिमिटेड से कर्ज दिलाने के नाम पर रुपए की ठगी कर रहे हैं। सूचना पर जब पुलिस पहुंची तो कई अपराधी पुलिस को देखते ही भाग गए ।वहीं पुलिस ने घेराबंदी कर सात साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिसमें मकनपुर ग्राम गोपाल कुमार पिता मंटून कुमार, मनीष सिंह , पिता उदय सिंह, मोहित कुमार 20 वर्ष पिता मुकेश कुमार, प्रिंस कुमार 20 पिता अजय राम ,रजनीश कुमार 18 वर्ष पिता पंकज कुमार ,राकेश कुमार 18 वर्ष पिता रणजीत राम, शिशुपाल कुमार 30 वर्ष पिता अशोक सिंह का नाम शामिल है। डीएसपी कल्याण आनंद ने यह भी बताया कि इस ठगी गिरोह का मास्टरमाइंड विक्की सिंह है। जो पुलिस की पकड़ से अभी बाहर चल रहा है।

अंतिम सप्ताह बेगूसराय पहुंचेगी प्रशांत किशोर की जन सुराज पदयात्रा

बीएनएम@बेगूसराय

बेगूसराय। बेगूसराय में प्रशांत किशोर के जन सुराज यात्रा की तैयारी तेज हो गई है। जन सुराज पदयात्रा पर चर्चा के लिए प्रखंड समिति सदस्यों कि बैठक आयोजित किया गया। जिसमें बखरी के हर पंचायत के प्रतिनिधियों के साथ-साथ कई राजनीतिक रूप से जुड़े लोग भी इस पहल के समर्थन में एकजुट हुए। बैठक में उपस्थित लोगों से जन सुराज पदयात्रा के संबंध में अंतर्दृष्टि और सुझाव प्राप्त किया गया। बैठक में बताया गया कि प्रशांत किशोर बिहार में व्यवस्था परिवर्तन को लेकर पश्चिम चम्पारण के मितिहरवा गांधी आश्रम से दो अक्टूबर 2022 से जन सुराज पदयात्रा की शुरुआत की थी। जिसको अब 14 महीने हो चुके हैं। अब पदयात्रा जल्द ही बेगूसराय जिले में प्रवेश करने वाली है। जन सुराज पदयात्रा का बेगूसराय जिले में प्रवेश बखरी प्रखंड से दिसम्बर माह के अंतिम में होगी। बैठक की अध्यक्षता अनिल देव ने किया।

आईएनडीआईए की चौथी बैठक भी फ्लॉप होगी

बीएनएम@पटना

पटना। पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार का अक्सर बीमार रहने और विधानसभा में महिलाओं पर अश्लील टिप्पणी करने के बाद उनके आईएनडीआईए गठबंधन का नेता चुने जाने की रही-सही सम्भावना भी समाप्त हो गई। उन्होंने रविवार को यहां कहा कि गठबंधन की पिछली तीन बैठकों की तरह 19 दिसम्बर की बैठक भी फ्लॉप होगी। इसमें चाय पार्टी और फोटो सेशन के अलावा कुछ नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि घटक दलों में प्रमुख 'आप' के नेता केजरीवाल विपश्यना ध्यान करने 10 दिन की छुट्टी पर चले गये। शरद पवार की पार्टी टूट चुकी है। ममता दीदी का कोई भरोसा नहीं और नीतीश कुमार कब बीमार हो जाएं पता नहीं। कांग्रेस और उसके नेतृत्व में एकजुट होने का दावा करने वाला विपक्ष तीन हिंदी भाषी राज्यों में करारी हार से हताश है। ये थके-हारे लोग कोई बड़ा निर्णय लेने की स्थिति में भी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष न भोपाल में साझा रैली कर पाया, न गठबंधन की उप-समितियों की बैठक हो पायी। ये लोग भाजपा के विरुद्ध साझा उम्मीदवार भी नहीं तय कर पाएंगे। विधानसभा चुनावों में जातीय जनगणना का कार्ड नहीं चला और इंडी गठबंधन बनने के बाद की इस पहली बड़ी चुनावी परीक्षा में जनता ने विपक्ष की नकारात्मक राजनीति को कूड़ेदान में डाल दिया। उन्होंने कहा कि इस सब के बाद नीतीश कुमार के करीबी लोग उन्हें पीएम उम्मीदवार बनाने का सब्जबाग दिखाते रहते हैं। बिहार में जदयू और यूपी में सपा अब यह भ्रम फैला रहे हैं कि कांग्रेस यदि क्षेत्रीय दलों को साथ लेकर चुनाव लड़ती तो परिणाम अलग होते। मुद्दाविहीन और अविश्वसनीय विपक्ष यदि मिलकर भी चुनाव लड़ता तो प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी के आगे टिक नहीं पाता। वर्ष 2024 में भी यही होगा।

एसएसबी ने तस्करी के 13 मवेशी को छापेमारी में किया जब्त

बीएनएम@बगहा

बगहा। भारत-नेपाल सीमा पर तैनात एसएसबी 21वीं वाहिनी ई कंपनी रमपुरवा ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए शनिवार की शाम को लगभग एक दर्जन तस्करी के लिए ले जाए जा रहे गाय और बैल को जब्त करने में कामयाबी हासिल की है।इस बाबत जानकारी देते हुए रमपुरवा बीओपी के कंपनी कमांडर निरीक्षक हेमराज राम ने आज बताया कि शनिवार की शाम गुप्त सूचना प्राप्त हुई की कुछ मवेशी तस्कर के द्वारा भारत के रास्ते नेपाल की ओर ले जाया जा रहा है।इस सूचना को गंभीरता से लेते हुए एसएसबी के उपनिरीक्षक तानियो दादा के नेतृत्व में जवानो के टीम को उक्त स्थल पर भेजा गया।जहां चंपामई स्थान के समीप कुछ तस्करों को मवेशियों को मारते पीटते ले जाते देखा गया। एसएसबी के जवानों को देख मवेशी तस्कर मवेशियों को छोड़ कर अंधेरे का लाभ ले कर मौके से भागने में सफल रहे।बाद में जब्त किए गए मवेशियों में 6 बैल और 7 गाय थी, को पकड़ कर वाल्मीकिनगर थाना को सुपुर्द कर दिया गया।इस बाबत जानकारी देते हुए वाल्मीकि नगर थाना के थानाध्यक्ष विजय प्रसाद राय ने बताया कि कुल 13 गाय और बैल को एसएसबी के द्वारा थाना को सौंपा गया है।आवेदन के आलोक में अग्रेतर कार्रवाई करते हुए अज्ञात मवेशी तस्करों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है।

भारी मात्रा में विदेशी शराब जब्त

बेतिया। जिले के नवलपुर थाने की पुलिस के द्वारा शराब धंधेबाजों के खिलाफ लगातार छापेमारी को देख थाना क्षेत्र के सभी शराब के छोटे बड़े धंधेबाजों में हड़कंप मची हुई है। पुलिस ने उत्तर प्रदेश से जुड़ने वाले सभी मार्गो में वाहन जांच अभियान चला रही है हर छोटे बड़े वाहनों की जांच की जा रही है। इसी दौरान थाना क्षेत्र के निमुइया चौक से शनिवार की शाम चार बाइक पर लदी नवलपुर थाना क्षेत्र के ढ़ढ़वा गांव निवासी ओमप्रकाश यादव और चौतरवा थाना क्षेत्र के परसौनी गांव निवासी अरविंद मिश्रा को 176 पीस विदेशी शराब व चार बाईक के साथ गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष रणधीर कुमार भट्ट ने बताया कि गुप्त सूचना मिली की एक बड़ी खेप थाना क्षेत्र के निमुइया से गुजरने वाली है।तभी थाने के पुलिस बल के साथ निमुइया चौक पर बाइक को रुकने का इशारा किया गया तभी बाइक सवार रुकने के बजाय पुलिस को देख तेज गति से भागने लगा पुलिस ने भी उसे खदेड़ कर पकड़ लिया।

NEWS IN BRIEF

बदमाशों ने मोबाइल झपट कर ट्रेन से दिया धक्का, कटा पैर

मोतिहारी। जिले सुगौली रेलवे स्टेशन पर अपराधियो ने खौफनाक घटना को अंजाम दिया है। जहां सब इंस्पेक्टर की परीक्षा देने निकली एक युवती को बदमाशों ने मोबाइल झपट कर ट्रेन से धक्का दे दिया,जिससे ट्रेन की चपेट में आने से उसका एक पैर कट गया और एक हाथ गंभीर रुप से जख्मी हो गया। घायल युवती पलनवा थाना के उच्चीडीह गांव निवासी प्रमोद पांडेय की पुत्री सलोनी कुमारी बतायी जा रही है। सलोनी रविवार को सब इंस्पेक्टर की परीक्षा में शामिल होने जिले के तुरकौलिया स्थित जग सिंह कुशवाहा बालिका उच्च विद्यालय परीक्षा केंद्र पर जा रही थी। इसी बीच वह खतरनाक वाकया का शिकार हो गई। घटना के बाद राजकीय रेल थानाध्यक्ष जय प्रकाश सिंह और आरपीएफ पुलिस बल के सहयोग से घायल लड़की को स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।जहां चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए मोतिहारी रेफर कर दिया।

गणित प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

केसरिया। प्रखण्ड क्षेत्र के सुन्दरापुर स्थित सेवा सदन परिसर में रविवार को गणित प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें आनंद आश्रम, ज्ञान गंगा, विद्या मंदिर, राजकीय मध्य विद्यालय बिजधरी माफी सहित अन्य विद्यालयों कबकरीब चार सौ प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सेवा सदन के सचिव विनोद पटेल ने बताया कि प्रतियोगिता परीक्षा के बाद परीक्षा परिणाम तैयार किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को भारत के सुप्रसिद्ध गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जयंती के अवसर पर 22 दिसम्बर को पुरस्कृत किया जाएगा।

आयोग के अध्यक्ष का किया गया भव्य स्वागत

बीएनएम@केसरिया

केसरिया। अनुसूचित जाति/जनजाति आयोग के अध्यक्ष राजेन्द्र राम का रविवार को केसरिया टोला स्थित अम्बेडकर भवन में एक कार्यक्रम आयोजित कर भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारी संघ के प्रखण्ड अध्यक्ष लालबाबू राम ने आयोग के अध्यक्ष को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि दलितों के हितार्थ आयोग बेहतर काम कर रहा है। उन्होनें दलितों को शिक्षा की मुख्य धारा से जुड़ने का आह्वान किया। इस क्रम में महात्मा बुद्ध सेवा संस्थान के अध्यक्ष सीताराम यादव व सचिव राकेश कुमार रत्न ने विभिन्न मांग को लेकर एक ज्ञापन अध्यक्ष को सौंपा। मौके पर पूर्व मुखिया हरिशंकर पासवान, नवल पासवान, चंदन राम, भीम आर्मी के नगर अध्यक्ष मंजीत कुमार, युवा राजद नेता राजन यादव, सनोज राम, मनोज राम, जितेंद्र कुमार समेत कई मौजूद थे।

मोतिहारी पुलिस ने अपहृत बैक कैशियर को 48 घंटे बाद किया बरामद

बीएनएम@मोतिहारी

मोतिहारी। जिले के पीपरा कोठी से गत 14 दिसबंर को कथित रुप अपहृत बैंक ऑफ इंडिया के कैशियर कुंदन कुमार को मोतिहारी पुलिस ने 48 घंटे बाद सकुशल बरामद कर लिया है। उल्लेखनीय है कि 14 दिसंबर के शाम करीब पांच बजे बैंक से काम निपटा कर घर के लिए निकले कैशियर जब घर नहीं पहुंचे तो परिजन ने उसकी तलाश शुरु की। वही तलाश के बाद 15 दिसंबर को बैंक मैनेजर सुबोध कुमार ने पिपरा कोठी थाना में आवेदन देकर अपने कर्मी के गायब होने की प्राथमिकी दर्ज करायी। जिसके बाद पुलिस ने कैशियर की तलाश शुरु कर दी।इसी दौरान अपहृत का बाइक और बैंक का चाभी जिले के पिपरा में सड़क किनारे से बरामद किया गया।फिर उसके मोबाइल लोकेशन के आधार पर ट्रैकिंग शुरु किया गया तो कैशियर सुगौली सेमरा के बीच छपवा के पास बरामद किया गया। इस बीच कैशियर के मोबाइल से उसके छोटे भाई चंदन के मोबाइल पर मैसेज आया कि कुंदन सुरक्षित है। कल आपको बताएंगे आगे क्या करना है।जिसके बाद कुंदन के मोबाइल का स्विच बंद हो गया। रविवार की सुबह उसका मोबाइल खुला, जिसके बाद लोकेशन के आधार पर उसको बरामद किया।एएसपी ने बताया कि उससे फिर से पूछताछ की जाएगी। जिसके बाद पूरी स्थिति स्पष्ट हो पायेगा।

मुक्ति पाने के लिए ईश्वर की आराधना ही एकमात्र मार्ग - संत हरि दास

बीएनएम@केसरिया

केसरिया। प्रखंड क्षेत्र के बैरिया स्थित योगेन्द्र बाबा के मठ परिसर में आठ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा व ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार की रात संत हरि दास जी महाराज ने प्रवचन के दौरान कहा कि श्रीमद्भागवत कथा के श्रवण से मोक्ष की प्राप्ति होती है। प्रत्येक प्राणी किसी न किसी तरह से दुःखी व परेशान है। परेशानियों से मुक्ति पाने के लिए ईश्वर की आराधना ही एकमात्र मार्ग है। इसलिए व्यक्ति को अपने जीवन का कुछ समय हरिभजन में लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भागवत कथा वह अमृत है, जिसके पान से भय, भूख, रोग व संताप सब कुछ स्वतः ही नष्ट हो जाता है। आयोजन समिति के सदस्य पंसस नितेश कु[illegible] ने बताया कि [illegible] भागवत कथा का 19 दिसंबर को समापन होगा। मौके रामजीत राय, रामप्रवेश राय, शिवनाथ राय, सनोज राय, लालकिशोर यादव, भागीरथ राय, सुरेंद्र राय, अरुण, सुनील, अनिल, शत्रुघ्न कुमार, जितेंद्र राय, पारस राय समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

यूजी सीबीसीएस परीक्षा आज से

बीएनएम@मोतिहारी

मोतिहारी। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के निर्देशानुसार सत्र 2023-27 के चारवर्षीय यूजी सीबीसीएस प्रथम सेमेस्टर परीक्षा 18 दिसंबर सोमवार से शहर के विभिन्न केंद्रों पर प्रारंभ होगी। एलएनडी कॉलेज में डॉ. एसकेएस विमेंस कॉलेज व एमएस कॉलेज मोतिहारी का परीक्षा केंद्र निर्धारित किया गया है। एलएनडी कॉलेज के केंद्राधीक्षक प्रो. (डॉ) अरूण कुमार ने बताया कि परीक्षा और भय में चोली-दामन का संबंध है। परीक्षा और भय का अन्योन्याश्रय संबंध है। बिना भय के परीक्षा का अस्तित्व नहीं और बिना परीक्षा भय का निदान नहीं। यह केंद्र शोरमुक्त व कदाचारमुक्त परीक्षा के लिए सदा प्रसिद्ध रहा है। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न विषयों को छः ग्रुपों में बांटा गया है। ग्रुप 'ए' में भोजपुरी, इतिहास, श्रम एवं समाज कल्याण व मैथिली, ग्रुप 'बी' में संगीत, फारसी, दर्शनशास्त्र, राजनीति विज्ञान व जंतु विज्ञान, ग्रुप 'सी' में प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति, हिंदी, गृह विज्ञान व संस्कृत, ग्रुप 'डी' में वनस्पति विज्ञान, रसायन शास्त्र, भूगोल व समाज शास्त्र, ग्रुप 'ई' में वित्त एवं लेखांकन, इलेक्ट्रॉनिक्स, अर्थशास्त्र, अँग्रेजी व उर्दू तथा ग्रुप 'एफ' में गणित, भौतिकी, बांग्ला व मनोविज्ञान मेजर विषयों को शामिल किया गया है। यह परीक्षा दो पालियों में ली जाएगी। पूर्वाह्न 9 बजे से मध्याह्न 12 बजे तक प्रथम पाली में ग्रुप ए, सी व ई तथा अपराह्न एक बजे से चार बजे तक द्वितीय पाली में ग्रुप बी, डी व एफ के मेजर विषयों की परीक्षा ली जाएगी। प्रथम दिन 18 दिसंबर को प्रथम पाली में ग्रुप ए के भोजपुरी, इतिहास, श्रम एवं समाज कल्याण व मैथिली, ग्रुप सी के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति, हिंदी, गृह विज्ञान व संस्कृत व ग्रुप ई के वित्त एवं लेखांकन, इलेक्ट्रॉनिक्स, अर्थशास्त्र, अँग्रेजी व उर्दू तथा द्वितीय पाली में ग्रुप बी के संगीत, फारसी, दर्शनशास्त्र, राजनीति विज्ञान व जंतु विज्ञान, ग्रुप डी के वनस्पति विज्ञान, रसायन शास्त्र, भूगोल व समाज शास्त्र व ग्रुप एफ के गणित, भौतिकी, बांग्ला व मनोविज्ञान मेजर विषयों की परीक्षा ली जाएगी।

नारियां अब पुरुषों की परछाई नहीं पारिवारिक समाज का आधार स्तंभ

संजीव ठाकुर

आज स्त्री के संदर्भ में सारी पुरातन अवधारणाओं को बदलने का समय आ गया है । नारी अब घर में पूज्या तो है ही साथ ही वह समाज में अपनी अहमियत की दस्तक देकर देश की सीमा सुरक्षा में भी अपना योगदान दे रही है। राष्ट्र निर्माण में नारी की शिक्षा एवं उनकी सहभागिता भारत का शक्तिशाली भविष्य है, अतः नारी की शिक्षा देश के लिए अति महत्वपूर्ण मुद्दा बन गई है1 वह समय चला गया जब किसी घर में कन्या के पैदा होने से पूरे परिवार में मातम छा जाता था अब भारत में धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश में लिंग भेद बदलने लगा है।

स्थिति यह है कि शिक्षित परिवार केवल एक संतान ही पैदा करना चाहती है चाहे वह कन्या हो या बेटा। अब परिवार में कन्या पैदा होने से खुशियां मनाई जाती है और पुरातन सोच अब धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश को मस्तिष्क के मूल्यांकन के साथ बदलते जा रही है। पुरुष प्रधान समाज में नारी को पूज्या कह कर बहला दिया जाता था और उसे घर की चहारदीवारी में सीमित कर दिया गया था। यही कारण था कि वे पुरुषों की बराबरी मैं ना आकर बहुत पिछड़ गई और देश की समग्र विकास की स्थिति एकांगी हो गई थी। समाज यह भूल गया था कि जिन हाथों में कोमल चूड़ियां पहनी जाती हैं वही हाथ तलवार भी उठा कर युद्ध में एक वीरांगना की भूमिका निभाती है, इसकी सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रजिया बेगम और रानी लक्ष्मीबाई रही हैं। मनुस्मृति पर यदि आप नजर डालेंगे तो पाएंगे कि उसमें स्पष्ट कहा गया है कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का वास होता है। प्राचीन भारत में नारी शिक्षा का काफी प्रचार प्रसार किया गया था इसके कई प्रमाण भी हैं कि वेद की रिचाओं का ज्ञान नारियों को था इसमें कुछ महत्वपूर्ण नारियां समाज के लिए एक उदाहरण बन गई थी उनमें मैत्री, गार्गी, अनुसूया, सावित्री, आदि उल्लेखनीय हैं। वैदिक काल के विद्वान मुंडन मिश्र की पत्नी उदय भारती ने प्रकांड पंडित विश्व विजयी आदि शंकराचार्य को भी शास्त्रार्थ में भरी सभा में पराजित किया था। इसीलिए वेदों और पुराणों में भी उल्लेखित है की बालिका शिक्षा समाज के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला होता है।

महादेवी वर्मा ने नारी शिक्षा को पुरुष शिक्षा से ज्यादा महत्वपूर्ण बताया था उन्होंने कहा था स्त्री को शिक्षित बनाना एक पुरुष को शिक्षित बनाने से ज्यादा आवश्यक और महत्वपूर्ण है यदि एक पुरुष शिक्षित -प्रशिक्षित होता है तो उससे एक ही व्यक्ति को लाभ होता है किंतु यदि स्त्री शिक्षित होती है तो उससे संपूर्ण परिवार शिक्षित हो जाता है.

उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बात कही नारी को अशिक्षित रखना समाज के लिए अपराध के समान है। समय के परिवर्तन के साथ साथ नारी का महत्व अब पूरे तौर पर समझा जा रहा है आज समाज तथा देश में नारियां सर्वोत्कृष्ट कार्य कर रही है। समाज हो या विज्ञान या राजनीति अथवा समाज सेवा संपूर्ण क्षेत्र में आज नारियां पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर सर्वश्रेष्ठ कार्य कर रही है। मैडम क्यूरी, कल्पना चावला, इंदिरा गांधी, श्रीमति भंडार नायके, सरोजनी नायडू, कस्तूरबा गांधी जैसी महिलाएं राष्ट्र का मार्गदर्शन करने का काम करती रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि जब तक भारत की महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में काम नहीं करेगी तब तक भारत का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। पी वी संधू, वित्त मंत्री सीतारमण स्मृति ईरानी और मंत्रिमंडल में शामिल महिलाएं किसी से पीछे नहीं हैं और सबसे ताजा उदाहरण भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने महिला होकर महिलाओं का नाम राष्ट्र की प्रथम पंक्ति में दर्ज कर देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति पद को सुशोभित किया है। ।

ख्वाब में हकीकत

ममता सिंह राठौर, कानपुर

सपने जो हम सोते हुए देखते हैं, उनके बारे में आप लोगो की क्या राय है? बताइगा। वैसे मेरी भी समझ में कुछ ज्यादा नहीं है, हां पर यह लगता है कि जो मन में चल रहा होता है वो देखते हैं, फिर कभी बिल्कुल विचित्र सपने होते हैं। खैर, आज हम आप को आज के सपने में देखी हुई घटना का ही विवरण दे रही हूं जो बिल्कुल सच है।

हुआ यूं की आज दोपहर मैं जब सोई तो इस सपने ने ही जगा दिया, तो मन थोड़ी देर तक सोचता रहा फिर हँसी भी आ गई तो सोचा चलो आप लोगों को भी जगाते हैं, हँसाते हैं। अच्छा आज समय का जो दौर है उसके साथ सब लोग क्या चल पा रहे? हां पर कुछ लोग दौड़ रहें है कुछ लोग छलांग लगा र हे हैं, पर कुछ लोग बेचैन भी हैं और सोचते हैं कि हमारी भारत भूमि जहां सत्यवादी हरिश्चंद्र, राजा दशरथ, जैसे लोग हुए हैं बल्कि आज भी किसी विद्यालय में झूठ का समर्थन नहीं होता। सामने से, बाकी आप सब की राय,पर अब आप चलते फिरते देखो कैसे -कैसे लोग, एक छोटी सी बात मन में घूम रही थी।

हुआ यूं की किसी से मेरी यूं ही रास्ते में मुलाकात हुई, नमस्ते की, हमने तो वो खड़ी हो गई बात करती रहीं । मेरे सच्चे लेखन की जिससे वो बहुत प्रभावित हैं, ऐसा बताया उन्होंने, तभी मेरी नजर उनके हाथ में दूध की बाल्टी पर पड़ी तो हमने पूछ लिया कितने में देते हैं दूध? तो जवाब देखिए- हमने पूछा ही नहीं कितने में देता है हम तो जो बिल देता है बस दे देती हूं.... हिहिही। हमें भी हँसी आ गई,अच्छा जी राम राम।

अब अगली कथा जिसने हमें जगा दिया वो यह की सपने में सजी संवरी आठ -दस औरतें दिखीं तो हमने पूछा- आज करवा चौथ है क्या? तो सब की सब देखी होंठ तो हिलाईं पर जवाब नहीं दिया। हमने फिर पूछा तो फिर वही अभिनय की और एक ने कहा हां है करवा चौथ,तभी हमने कुछ सोचते हुए कहा अच्छा पर हमने तो नवरात्रि का व्रत किया है यह मार्च का महीना है करवा चौथ तो अक्तूबर के महीने में होता है। इसके आगे जो बोल कर मेरी आँख खुल गई वो यह कि जो तुम लोग लिपी पुती बैठी हो, बिल्कुल टी वी सीरियल की सास -बहू साजिश, और-सीखो और घर फोड़ो। मंथरा हो पूरी की पूरी। यह सब मेरे सपने में घटी घटना है ।कोई व्यक्तिगत न ले। वैसे सुंदर यह है कि सब हरी साड़ी में सुहागिनी देवियां दिखीं।

हनुमान मुक्त

व्यंग्य: दीनू की किस्मत

खुशी में समय कैसे निकल जाता है, पता ही नहीं चलता। रामखिलावन उर्फ आर के साहब का समय भी बहुत अच्छे ढंग से गुजर रहा था। आजकल उनकी गिनती अच्छे अफसरों में होने लगी थी। अपनी अफसर बिरादरी में उनकी अच्छी पोजीशन थी। अच्छे खासे परिवार में उनकी शादी हो गई। वे पापा भी बन गए। सात साल का उनके एक बेटा है।

सिंह साहब जैसे गुरु के मार्गदर्शन और अपनी कार्यशैली से उनके पास अपना मकान और बैंक बैलेंस भी बन गया है। उनकी ही जाति बिरादरी का एक युवक है दीनदयाल।

अपने बूते अनुसार पढ़ने लिखने के बावजूद, काफी कोशिश करने के बाद भी जब किसी सरकारी महकमे में अपनी जगह ढूंढने में वह नाकामयाब रहा तो उसने असर-कारी स्कूल में देश का भविष्य निर्माता बनाने का कार्य शुरू कर दिया। असर-कारी स्कूल मास्टर की तनख्वाह असर-दायक नहीं होने से दीनदयाल स्कूल समय से पहले और बाद में होम ट्यूशन कर अपना गुजारा करने लगा।

घर में उसकी मां के सिवाय कोई नहीं था। पिता का देहांत बहुत पहले बचपन में ही हो चुका था। दीनदयाल की उम्र तीस साल के पार हो गई लेकिन क्या मजाल जो कोई नवयौवना का पिता अपनी पुत्री का हाथ उनके हाथों में देने का मानस बनाता। बेचारा दीनदयाल इधर-उधर ताक-झांक कर अपना काम चला रहा था। ताकते-झांकते उसकी आंखों को भी अब शर्म आने लगी थी। पर बेचारा क्या करता?

यार, दोस्त जब अपने बीवी बच्चों के साथ हंसते बतियाते निकलते तो उसके दिल पर सांप लोट जाता। मन ही मन उसे अपनी किस्मत पर रोना आता। इसी मोहल्ले का होने के कारण सब उसे दीनू ही कह कर पुकारते। प्राइवेट स्कूल में पढ़ाने के कारण अब वह दीनू से दीनू मास्साब बन चुका था। दीनू का पढ़ाने लिखाने में मन कितना लगता। यह तो नहीं पता लेकिन उसके द्वारा घर पर पढ़ने वाले बच्चे और उनके मां-बाप उससे बहुत प्यार करते। वह भी घर पर बच्चों को पढ़ाने के अलावा सब कुछ करता। बच्चों को पढ़ाई का सामान लाने से लेकर, घर का सामान लाने में भी वह कोई कोताही नहीं बरतता। जैसे तैसे दीनू अपना गुजर-बसर कर रहा था। पिछले कुछ दिनों से वह आर के सर के यहां भी उनके नौनिहाल को घर पर ट्यूशन पढ़ाने का कार्य करने लगा था। अन्य ट्यूशन वालों के घर पर वह एक घंटे से अधिक समय खराब नहीं करता लेकिन आरके साहब की लोकप्रियता और कार्यशैली से प्रभावित होकर वहां वह दो घंटे तक खराब करने में कोताही नहीं बरतता।

उसका मानना था कि यह इन्वेस्टमेंट है जिसका फल उसे भविष्य में अवश्य मिलेगा। दीनू यहां साहब और साहिबा के पर्सनल कामों को भी पूरी मुस्तैदी से मन लगाकर पूरा करता। आरके साहब, साहिबा और उनका नौनिहाल दीनू की कर्तव्य निष्ठा, वफादारी और मेहनत से खुश थे। साहब को दीनू की दयनीय दशा पर काफी दया आती, जिसे दीनू अच्छी तरह जानता था। अपनी दयनीय दशा को अच्छी दशा में बदलने के लिए वह मनोरथ सिद्ध वृक्ष पर जाकर मनोकामना का धागा भी बांध आया था। मनोरथ सिद्ध वृक्ष की कृपा उस पर आई या उसकी मेहनत, कर्तव्य निष्ठा और वफादारी ने अपना रंग दिखाया कि एक दिन शाम को साहब, दीनू पर कुछ अधिक मेहरबान नजर आए। उन्होंने दीनू को एक अखबार थमाते हुए कहा, दीनू! इस अखबार में हमारे महकमे में बाबू की जगह के लिए विज्ञप्ति छपी है। तुम फॉर्म भर दो। दीनू ने अखबार को इधर-उधर पलटा। बोला,साहब इस नाम का अखबार तो आज पहली बार देखा है । सुनकर साहब के चेहरे पर एक रहस्यमई मुस्कान उभर आई। बोले, जब यह बाजार में आएगा ही नहीं तो तुम देखोगे कैसे? इसका प्रसारण हम जैसे कुछ एक अधिकारियों तक ही सीमित है। तुम्हें आम खाने हैं या पेड़ गिनने। जैसा कहा है, वैसा करो। कल शाम तक फॉर्म तैयार कर दे जाना। अत्यंत गोपनीय काम है। किसी से कुछ कहना मत। दीनू को आम खाने थे। साहब के यहां ट्यूशन के काम को और भी निष्ठा से करने का मन ही मन निर्णय किया। साथ ही साहब के निर्देशानुसार अपना भविष्य संवारने का भी। उनके कहे अनुसार फॉर्म तैयार कर गोपनीय ढंग से साहब को दे आया।

कुछ दिनों बाद साहब ने परीक्षा में बैठने का बुलावा पत्र दीनू को थमा दिया और कुछ गोपनीय निर्देशों के साथ ठीक समय पर परीक्षा स्थल पर पहुंचने का आदेश भी। दीनू ने साहब के आदेशों की अक्षरशः पालना की। सभी काम ठीक-ठाक ढंग से संपन्न हो गया। परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों की कुंजी ,पेपर मिलने के आधे घंटे बाद ही दीनू के पास पहुंच गई और दीनू परीक्षा में पास हो गया। अब आ गई टाइप टेस्ट की बारी। परीक्षा तो टीप टाप कर पास कर ली लेकिन अब टाइप टेस्ट कैसे पास करेगा दीनू। उसे तो टाइप करने की एबीसीडी तक नहीं आती फिर वह टाइप की स्पीड में कैसे पास होगा। मन ही मन वह सोच रहा था।अपना संशय उसने साहब के समक्ष रखा।

साहब ने उसे मस्त रहने को कहा। आर के साहब अब खुद अलादीन के चिराग बन चुके थे। जिनके पास हर समस्या का हल था। पी टीआई सिंह साहब का उन पर पूरा असर था। सिंह साहब की उन पर पूरी कृपा दृष्टि थी ।वे अपने गुरु सिंह साहब से पूरा गुरु ज्ञान ले चुके थे। उन्होंने टाइप टेस्ट वाले दिन दीनू को दिन भर उनके घर पर ही रहने का निर्देश दे दिया कि वह आज घर से बिल्कुल ना निकले। अपने स्कूल से भी आज की छुट्टी ले ले। दीनू, साहब के गोरखधंधे के बारे में सोचता उससे पहले ही उसके दिमाग में पेड़ गिनने के बेवकूफी भरे प्रयास की बजाय आम खाने का विचार आ जाता। उसे आम खाने थे।वह सब कुछ साहब के निर्देशानुसार कर रहा था। टाइप टेस्ट के दिन, दिन भर साहब के घर पर ही रहा ।जो घर का काम वह कर सकता था।उसने पूरी कर्मठता से किया। शाम को उसे छुट्टी मिल गई। टाइप टेस्ट हो गया।कुछ दिनों बाद परीक्षा परिणाम आ गया। दीनू बिना टाइप टेस्ट में बैठे ही टाइप टेस्ट में अच्छे अंको से पास हो गया।बाद में पता चला कि उसकी टाइप टेस्ट की परीक्षा साहब के ऑफिस में काम करने वाले टाइपिस्ट ने दी थी। भगवान ने दीनू की सुन ली। अब वह आर के साहब के ऑफिस में ही सरकारी बाबू बन गया।

मुक्तायन, 93, कांति नगर
मुख्य डाकघर के पीछे, गंगापुर सिटी,
सवाई माधोपुर (राजस्थान)

नमिता गुप्ता मनसी

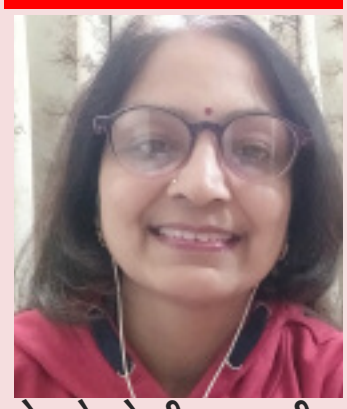

हो सके तो सीखना कभी..

पेड़ों से..बीजों के अंकुरन की भाषा,
चिडियों से..घोंसला बुने जाने की भाषा,
पतंगों से..हवाओं की भाषा,
बादलों से..बारिश की भाषा,
बूंदों से..पानी की भाषा,
नदियों से..अनवरत बहने की भाषा,
तारों से.. आकाश की भाषा,
सूरज से..धूप की भाषा,
चांद से..चमकने की भाषा!!

नवजात से.. किलकारी की भाषा,
चित्रकार से..रंगों की भाषा,
स्त्री से.. उसके दर्द की भाषा
प्रौढ़ से..जीवन की भाषा
प्रेम से..मौन की भाषा,
और
जीवन से..उसके होने की भाषा!

सुनों..
समाहित हैं ये सभी भाषाएं सदियों से
कवियों की कविताओं में!!

मेरठ, उत्तर प्रदेश

BORDER NEWSMIRROR

Monday 18 December 2023

Editorial

उत्तर-दक्षिण की बातें व्यर्थ

आज काशी तमिल संगमम का आयोजन हो रहा है। काशी गदगद है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समागम में नमो घाट पर 1400 तमिल भाषी विशिष्टजनों से भेंट करेंगे और उपस्थित महानुभावों को सम्बोधित करेंगे। अनेक दक्षिण भारतीय विद्वानों के लिए काशी वैदिक ज्ञान परम्परा का मुख्य केन्द्र रहा है। वेद, वेदांग और संस्कृत सहित ज्ञान दर्शन परम्परा का मुख्य क्षेत्र काशी भी रहा है। देश की विश्व वरेण्य संस्कृति का प्राचीन केन्द्र रहा है। संस्कृति के कारण हम प्राचीन राष्ट्र हैं। अनेक भाषाएं हैं। अनेक बोलियां हैं और तमाम क्षेत्रों में अलग अलग घरेलू रीति-रिवाज भी हैं। तमाम विविधताओं के बावजूद भारत की सांस्कृतिक एकता बहुत गहरी है। लेकिन राष्ट्र को अखण्ड सत्ता न मानने वाले इक्का-दुक्का राजनैतिक समूह राष्ट्रीय एकता पर प्रहार करते हैं। लोकसभा में हाल ही में एक माननीय सांसद ने उत्तर दक्षिण की विभाजक बातें कही। सदन की कार्यवाही से आपत्तिजनक अंश हटा दिए गए हैं। लेकिन समाचार माध्यमों में यह बातें प्रमुखता से छपी व प्रसारित हुईं। भारत वैदिक काल से ही सांस्कृतिक राष्ट्र है। इसे उत्तर दक्षिण और पूरब पश्चिम के कृत्रिम खांचों में देखना अनुचित है। वैदिक संस्कृति दर्शन का विकास सप्तसिन्धु में हुआ और इसे भारत के जन गण मन ने अपनी जीवन पद्धति का आधार माना। भारत एक छंदबद्ध कविता है। काव्य के प्रवाह में दिशाओं का कोई मतलब नहीं होता। भारत एक सुव्यवस्थित संगीत जैसी शास्त्रीय रचना है। इसमें सभी राग और रागिनियां हैं। ऋग्वेद में मंत्र को ऋचा बताया गया है। ऋषि के अनुसार ऋचाएं परमव्योम में रहती हैं और जाग्रत बोध वाले लोगों के हृदय में प्रवेश करने की अभिलाषा करती हैं। भारत परमव्योम आकाश से उतरी एक ऋचा है। विश्व लोककल्याण में तपरत् एक सार्वभौम जीवन दृष्टि है। भारत एक अनुराग है सृष्टि के सभी तत्वों के प्रति। विश्व कल्याण से प्रतिबद्ध एक प्रीति है। समस्त मानवता का सुख स्वस्ति और आनंद भारत का ध्येय है। भारतीय संस्कृति और दर्शन के विकास में देश के सभी क्षेत्रों का कर्मतप जुड़ा है। उत्तर-दक्षिण की बातें व्यर्थ हैं। सुब्रमण्य भारती प्रख्यात तमिल कवि थे। 1982 में उनकी जन्म शताब्दी थी।

दिल्ली विवि में तदर्थवाद पर भारी स्थायी नियुक्ति का संकल्प

डॉ.सीमा सिंह

एक साथ, एक लक्ष्य और एक जुनून लेकर जब देशभर के लोग मैदान में उतरे, तभी स्वतंत्रता मिली। विश्वविद्यालयों ने इस दौरान देश की चेतना को जागृत किया। विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने युवा पीढ़ी में नई चेतना और विचार का संचार किया। 'कोई चरखा चलाता-वो भी आजादी के लिए, कोई विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करता- वह भी आजादी के लिए, कोई काव्य पाठ करता- वह भी आजादी के लिए। कोई किताब या अखबार में लिखता- वो भी आजादी के लिए। कोई अखबार के पर्चे बांटता था तो वह भी आजादी के लिए। यह बातें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत@2047 के लॉन्चिंग पर कहीं। जाहिर है प्रधानमंत्री समझते हैं कि युवा शक्ति साथ हो तो कोई भी लक्ष्य मुश्किल नहीं। इसी युवा शक्ति को संवारने के लिए उन्होंने 2014 से अब तक कई प्रयास किए। वो समझ रहे हैं कि कालखंड कोई भी हो, युवा शक्ति के सहारे मुश्किल राहें आसान हो जाती हैं। छोटी-छोटी पहल जन अभियान का रूप ले लेती हैं। इस युवा शक्ति को संवारने में शिक्षकों का भविष्य सबसे अधिक मायने रखता है। उनके जीवन का स्थायित्व देश के वर्तमान और भविष्य को और अधिक उड़ान देगा। कुछ ऐसा ही नजारा दिल्ली विश्वविद्यालय सहित अन्य विश्वविद्यालयों का है, जहां तदर्थवाद से मुक्ति और स्थायी नौकरी की दिशा में पहल ने जनअभियान का रूप ले लिया है। युवा शक्ति को दिशा देने की जिम्मेदारी जिस शिक्षक समुदाय पर है, वही तदर्थवाद का शिकार लंबे समय से रहा है। चाहे बात दिल्ली विश्वविद्यालय की हो या देशभर में रुकी अन्य स्थायी नियुक्तियों की। मोदी सरकार ने दस लाख लोगों को रोजगार देने की दिशा में पहल की। समय-समय पर रोजगार मेले कर खुद प्रधानमंत्री और सरकार लाखों लोगों को स्थाई रोजगार के सपने को साकार कर चुकी है। दिल्ली विश्वविद्यालय सहित अन्य विश्वविद्यालयों में 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हुई। पाठ्यक्रम को समयानुकूल बनाया गया, ताकि छात्रों का भविष्य सुनिश्चित किया जा सके। विद्यार्थी और शिक्षकों के बीच के अनुपात की खाई पाटने की दिशा में पहल हुई। दिल्ली विश्वविद्यालय भी इस पहल से अछूता नहीं रहा। कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने पांच हजार से अधिक सीटों को भरने का बीड़ा उठाया। जाहिर है कोई भी समाज विद्यार्थियों का भविष्य शिक्षकों के भविष्य से अलगकर नहीं देख सकता है। शिक्षकों के जीवन की अनिश्चितता दूर करने के लिए स्थायी नियुक्ति आवश्यक है। शिक्षा में लंबे समय से चल रही तदर्थवाद की व्यवस्था दोनों पीढ़ी के साथ खिलवाड़ था। 15 दिसंबर, 2023 तक चार हजार नियुक्तियां दिल्ली विश्वविद्यालय में हो चुकी हैं। इसमें तीन हजार तदर्थ शिक्षक शामिल हैं जो कि स्थायी नियुक्ति पाने में सफल हुए। 900 साथी रोस्टर में परिवर्तन के कारण बाहर हुए। बाहर होने वालों में 550 तदर्थ की नियुक्ति कहीं न कहीं हो चुकी है। दिल्ली विश्वविद्यालय में समय से इंटरव्यू न होने से बैकलॉग निरंतर बढ़ता गया। नियुक्ति समय से नहीं होने के कारण ही आज यह दशा हुई कि एडहॉक से कई साथी रिटायमेंट लेने को विवश हैं। अभी हाल ही में दिल्ली विश्वविद्यालय में स्थायी होने वालों में 64 की उम्र पार कर गए शिक्षक भी शामिल हैं। जीवन के इस उम्र में उनका स्थायी होना इस पूरे सिस्टम पर सवालिया निशान है।

Today's **Opinion**

सनातन हिन्दू संस्कृति : गाय के गोबर से आकाश में उड़ते रॉकेट

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत की ऋषि और ज्ञान परम्परा में गाय का सदा से महत्व बताया जाता रहा है, ऋग्वेदकालीन समाज से लेकर सनातन हिन्दू धर्म में आज का आधुनिक समाज ही क्यों न हो, गाय को एक माता के रूप में पूज रहा है। गाय के बारे में अनेक मंत्र, श्लोक भी मिल जाते हैं जोकि उसके प्रत्येक तत्व (दूध, घी, दही, मक्खन, मूत्र, गोबर) तक को पवित्र मानकर उसके विविध प्रकार से मनुष्य जीवन में व्यवहार करने की आज्ञा देते हैं। किंतु इस विचार के विपरीत भी कुछ जन हैं जिन्हें गाय सदैव से अन्य पशुओं के समान ही नजर आती रही है और उसकी कोई विशेषता उन्हें दिखाई नहीं देती बल्कि जो उसके लिए श्रद्धा भाव रखते हैं, ऐसे लोगों को ये जन मूर्ख, जड़वत और घोर अंधकारवादी नजर आते हैं। अभी हमने देखा भी कि एक संसद सदस्य ने कैसे गाय के प्रति श्रद्धा रखनेवालों का खुले में मजाक बनाया ! चलिए, गाय और उसके प्रति सम्मान भाव रखनेवालों से जिन्हें घृणा करनी है वे घृणा करते रहें, किंतु उनके लिए भी जो समझने वाला सच है कि वह यह है कि जो गाय को एक आम पशु से अधिक कुछ नहीं समझते हैं, उन्हें भी यह जान लेना चाहिए कि गाय विशेष जानवर है, तभी भारतीय प्रज्ञा उसके प्रति सदियों से सम्मान का भाव रखती आई है। अब इसके एक नहीं अनेक वैज्ञानिक प्रमाण भी मिल रहे हैं । वस्तुत: आज के वैज्ञानिक युग में विज्ञान भी इस बात को स्वीकार्य करने के लिए बाध्य हुआ है कि गाय आखिर इतनी विशेष क्यों है! क्यों भारतीय ज्ञान परम्परा में इसके प्रति अब तक इतनी श्रद्धा रखी जाती रही है! जब ये खबर आई कि "गाय के गोबर से अंतरिक्ष की उड़ान भरेगा रॉकेट" तब जरूर कई लोग अचंभित हुए होंगे। किंतु जिस तरह से रॉकेट इंजन में एलबीएम यानी कि तरल बायोमीथेन के सफल प्रयोग का प्रयोग सामने आया है उसने उन लोगों के मुंह जरूर बंद किए हैं जोकि गाय को लेकर हिन्दू संस्कृति पर आघात एवं व्यंग्य करने का प्रयास करते रहे हैं।जापान में इंजीनियरों ने गाय के गोबर से प्राप्त तरल मीथेन गैस से संचालित एक नए किस्म के रॉकेट इंजन का परीक्षण किया है, जो अधिक टिकाऊ प्रणोदक (propellent) के विकास की ओर ले जा सकता है। जापान के होक्काइडो स्पेसपोर्ट में 10 सेकंड तक "स्थैतिक अग्नि परीक्षण" किया गया है। जोकि पूरी तरह से छोटे उपग्रह प्रक्षेपण यान यानी जीरो, तरल बायोमीथेन (Liquid biomethane-LBM) द्वारा संचालित किया गया । जिस कंपनी ने इस कार्य को किया वह स्टार्टअप इंटरस्टेलर टेक्नोलॉजीज इंक (IST) है, जिसने कि अपने इस शोध के बारे में बताया भी, उसने रॉकेट इंजन, जिसे जीरो कहा जाता है, का बायोमीथेन जोकि गोबर से प्राप्त है से रॉकेट इंजन का सफल परीक्षण किया है। जिसमें कि इस बायोमीथेन से इंजन चालू हो रहा है और उससे शक्तिशाली क्षैतिज नीली लौ निकल रही है। आज इसे रॉकेट इंजन साइंस के विकास में एक नवीन उपलब्धी के रूप में देखा जा रहा है । निश्चित ही एलबीएम ईंधन बायोगैस के मुख्य घटक मीथेन को अलग और परिष्कृत करके और बाद में इसे लगभग -160 डिग्री सेल्सियस पर द्रवीकृत करके तैयार किया गया अपने आप में एक नवीन और सफल प्रयोग है । वास्तव में गाय की महत्ता इससे भी समझी जा सकती है कि जब दुनिया को रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने एवं वायरस से लड़ने के लिए आंतरिक शक्ति की आवश्यकता पड़ी तो उसके लिए वैज्ञानिकों ने वैक्सीन बनाने के लिए सबसे पहले गाय का ही चुनाव किया और दुनिया पहली वैक्सीन गाय से बनाई गई। गुजरात के वलसाड का एक हॉस्पिटल कैंसर रोगियों का इलाज गायों से प्राप्त पंचगव्य से करता है। यह हॉस्पिटल 3500 से अधिक कैंसर रोगियों का सफल इलाज कर चुका है। पंचगव्य का निर्माण गाय के दूध, दही, घी, मूत्र, गोबर द्वारा किया जाता है। पंचगव्य के कैंसरनाशक प्रभावों पर यूएस से पेटेंट भारत ने प्राप्त किए हैं। छह पेटेंट अभी तक गौमूत्र के अनेक प्रभावों पर प्राप्त किए जा चुके हैं। आज आधुनिक वैज्ञानिक यह स्वीकारते हैं कि भारतीय देशी गाय के दूध में एक विशेष प्रोटीन बीटा केसिन पाया जाता है, जो अनेक बीमारियों से लड़ने में सहायक है। यह प्रोटीन बच्चों के मानसिक विकास में भी बहुत ज्यादा उपयोगी है।

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796,
प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

आसान विधि से बनाएं बनारसी दम आलू

बनारस के स्वाद की बात ही कुछ और है। एक बार यहां के जायकों को चखने के बाद सालों तक आप उस स्वाद को भूल नहीं सकते। तो आइए ऐसी ही एक डिश करते हैं ट्राय बनारसी दम आलू।

कितने लोगों के लिए : 4

सामग्री : 10-15 उबले हुए (एकदम छोटे आकार के), 2-3 चम्मच सरसों का तेल, 1 चुटकी हींग, 2 हरे लहसुन की पत्तियां कटी हुई, 1 टीस्पून जीरा, 2 टेबलस्पून धनिया, 1 टीस्पून जीरा, 1 टीस्पून सरसों के दाने, 1 टीस्पून सौंफ, अजवाईन, कलौंजी, 4 से 5 साबूत लाल मिर्च, 1 टीस्पून हल्दी पाउडर, 2 टेबलस्पून अमचूर पाउडर, स्वादानुसार नमक, 2 टेबलस्पून हरी धनिया की पत्तियां

विधि :

- उबले आलूओं से छील लें या फिर ऐसे ही बीच से चीरा लगा।
- एक बड़ी लोहे की कढ़ाही रखें और तेल गर्म करें।
- अब उसमें कटी हुई लहसुन की पत्तियां और हींग डालकर भूनें इसके बाद आलूओं को कढ़ाही में डालकर 15 से 20 मिनट तक भूनें।
- इस समय सभी खड़े मसालों को हल्का गर्म करें और दरदरा पीसकर तैयार करें।
- जब आलू एकदम सुनहरा भून जाए तो उसमें पीसा हुआ मसाला, हल्दी, आमचूर पाउडर और नमक डालकर मिलाएं।
- आलू को मसालों के साथ भी पांच मिनट तक अच्छी तरह से मिलाएं लें।
- अब धनिया पत्ती डालें और हरी चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

स्वादिष्ट आलू-मेथी की सब्जी बनाने के लिए आसान स्टेप्स

टेस्टी आलू-मेथी सब्जी बनाने के लिए ये रेसिपी आजमा सकते हैं। आप इसे पराठे या रोटी के साथ सर्व कर सकते हैं।

कितने लोगों के लिए : 4

सामग्री : 4 आलू, 1 कप कटे हुए मेथी, 3-4 लहसुन की कली, 2-3 हरी मिर्च, 1 टी स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी स्पून हल्दी पाउडर, 1 टी स्पून गरम मसाला पाउडर, 2-3 चम्मच तेल, स्वादानुसार नमक

विधि : -सबसे पहले आलू धो लें और इसे टुकड़ों में काट लें। अब कढ़ाई में तेल गर्म करें, इसमें मिर्च और लहसुन चटकाएं। फिर कटे हुए आलू और मेंथी डालें। इसे कुछ देर तक पकाएं। जब सब्जी की पानी सूखने लगे, तो नमक और मसाले मिलाएं। कुछ देर तक भून लें, जब आलू पक जाए, तो गैस बंद कर दें।

नया शोध : हार्ट अटैक के बाद अब सेल प्रोग्रामिंग की मदद से दिल को किया जाएगा रिपेयर

वैज्ञानिकों ने सेलुलर प्रोग्रामिंग का लाभ उठाने के लिए प्रोटीन के एक समूह की पहचान की है। जिससे दिल की कोशिकाओं को पहुंचे नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सके। वैज्ञानिकों ने शोध के दौरान पाया कि दिल के दौरे के बाद एक चूहे के दिल को पहुंची चोट की मरम्मत सफल तरीके से कैसे की जा सकती है। अमेरिका के सैनफोर्ड बर्नहैम प्रीबिस में हुई रिसर्च के निष्कर्ष में पाया गया कि इससे हृदय, पार्किंसंस रोग और न्यूरोमस्कुलर बीमारियों सहित कई बीमारियों के उपचार को बदलने में मदद मिल सकती है।

सेलुलर प्रोग्रामिंग क्या है

शरीर की कोशिकाएं चुनी गई जीन्स को चालू और बंद करने की क्षमता रखती हैं। जैसे- वे कैसे दिखते हैं और वह क्या करते हैं, उसे बदलना ही सेलुलर प्रोग्रामिंग का आधार है। यह पुनर्योजी चिकित्सा का एक उभरता हुआ दृष्टिकोण है, जिसमें वैज्ञानिक क्षतिग्रस्त या घायल शरीर के ऊतकों की मरम्मत के लिए कोशिकाओं को बदलते हैं।

सैनफोर्ड बर्नहैम प्रीबिस के असिस्टेंट प्रोफेसर और रिसर्च के लीड लेखक, एलेक्जेंडर कोलास ने बताया कि, हार्ट अटैक के बाद अगर एक व्यक्ति बच भी जाता है, तब भी उसके दिल को भारी नुकसान जरूर पहुंचा होता है, जिसकी वजह से दिल की दूसरी बीमारियों का जोखिम और बढ़ जाता है। उन्होंने कहा, थिअरी में सेलूलर प्रोग्रामिंग, हमें किसी भी कोशिका की गतिविधि और उपस्थिति को नियंत्रित करने का मौका देती है।

यह कॉन्सेप्ट शरीर को खुद को दोबारा ठीक करने में बड़ी मदद प्रदान करता है, लेकिन रीप्रोग्रामिंग तंत्र की बाधाओं ने विज्ञान के लैब से क्लिनिक तक के सफर को रोका हुआ है।

हुई चार चरह के प्रोटीन की पहचान

इस समस्या को हल करने के लिए शोध में चार तरह के प्रोटीन की पहचान की गई, जिसे AJSZ नाम दिया गया है। कोलास ने कहा, इन प्रोटीन्स की एक्टिविटी को ब्लॉक कर, हम दिल को पहुंची चोट को कम कर पाए और दिल के दौरे का शिकार हुए चूहे के दिल के कार्य में 50 फीसदी तक सुधार ला पाए। हालांकि, इस शोध का फोकस दिल की कोशिकाओं पर रहा, लेकिन वैज्ञानिकों को यकीन है कि AJSZ सभी तरह की कोशिकाओं में पाए जा सकते हैं। उन्हें यकीन है कि इस तरीके से कई तरह की बीमारियों का बेहतर इलाज हो सकता है। कोलास ने कहा, यह सफलता इन जबरदस्त जैविक अवधारणाओं को वास्तविक उपचारों में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस शोध का अगला कदम है AJSZ प्रोटीन्स को काम करने से ब्लॉक करने के कई विकल्पों की तलाश करना। अध्ययन के बारे में, कोलास ने कहा, गहरी चोट के बाद दिल को ठीक करने में मदद कर पाना अपने आप में एक महत्वपूर्ण चिकित्सा आवश्यकता है, लेकिन ये निष्कर्ष चिकित्सा में सेल रिप्रोग्रामिंग के बड़े पैमाने में उपयोग के रास्ता को भी बड़ा बनाते हैं।

त्वचा के साथ शरीर के लिए भी फायदेमंद है अनार का जूस, लेकिन बरतें ये सावधानी

गर्मियां शुरू हो गई हैं और इसी के साथ कुछ ठंडा तरल पदार्थ पीने के लिए हमारी चाह भी बढ़ने लगी है। वैसे तो गर्मी में गला तर करने के लिए हम ज्यादातर ठंडी चीज की तलाश करते हैं, स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए हमें अक्सर कोशिश करनी चाहिए कि हम फल के जूस का ही सेवन करें। हमें ऐसे लिक्विड चीजों की तलाश करनी चाहिए जो हमारे समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद कर सके। अगर आप भी ऐसा ही कुछ ढूंढ रहे हैं, तो अनार का जूस एक बढ़िया ऑप्शन हो सकता है, जिसके एक या दो नहीं बल्कि कई सारे फायदे हैं। यह आवश्यक पोषक तत्वों और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है और इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। चलिए जानते हैं अनार का जूस पीने के फायदे के बारे में-

अनार के जूस के फायदे-

1. वजन घटाने में मददगार

अनार का जूस वजन कम करने में आपकी मदद कर सकता है। अनार पॉलीफेनोल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, ये सभी आपको मेटाबॉलिज्म बढ़ाने और फैट बर्न करने में मदद करते हैं। यह आपकी भूख को दबा कर आपको लंबे समय तक भरा हुआ भी महसूस करवाते हैं। कोशिश करें इसे अपने मीठे पेय पदार्थों से बदलें क्योंकि उससे आपका तेजी से वजन बढ़ सकता है।

2. पाचन में सहायक

अनार का रस आपके पाचन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और पाचन संबंधी समस्याओं, जैसे कि सूजन आंत्र रोग का इलाज करने में मदद कर सकता है। अनार में मौजूद यौगिक आपकी आंत के लिए अच्छे बैक्टीरिया को प्रोत्साहित कर सकते हैं और पाचन तंत्र में जलन की समस्या को कम कर सकते हैं।

3. कैंसर रोधी गुण होते हैं

राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) के अनुसार, अनार प्रोस्टेट कैंसर को रोकने या उसका इलाज करने में मदद कर सकता है। कई टेस्ट-ट्यूब शोधों के अनुसार, अनार के रस में ऐसे रसायन होते हैं जो या तो कैंसर कोशिकाओं को मारने में मदद कर सकते हैं या शरीर में उनकी वृद्धि को धीमा कर सकते हैं।

4. हृदय स्वास्थ्य में सुधार करता है

अनार के रस का सेवन आपके हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है और स्ट्रोक और दिल के दौरे जैसी स्वास्थ्य स्थितियों के विकास के जोखिम को रोक सकता है। अनार के अर्क में ऐसे यौगिक होते हैं जो रक्तचाप को कम कर सकते हैं, धमनी की सूजन को कम कर सकते हैं, दिल से संबंधित सीने में दर्द में सुधार कर सकते हैं और पट्टिका के विकास को रोक सकते हैं और नतीजतन दिल का दौरा और स्ट्रोक का खतरा कम हो जाता है।

5. शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट

क्या आप जानते हैं कि ग्रीन टी की तुलना में अनार के रस में तीन गुना अधिक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। यह एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है क्योंकि इसमें पॉलीफेनोल्स होते हैं जो आपके शरीर को मुक्त कणों से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करते हैं।

6. गठिया का प्रबंधन करें

अनार का जूस अपने एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के कारण गठिया को प्रबंधित करने और जोड़ों के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद कर सकता है। अनार में मौजूद तत्व ऑस्टियोआर्थराइटिस पैदा करने वाले एंजाइम को रोक सकते हैं।

7. त्वचा के लिए अच्छा है

आपकी त्वचा हानिकारक यौगिकों, प्रदूषण और सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) किरणों के संपर्क में आती है, जिससे उन्हें काफी नुकसान पहुंचता है। अनार के जूस का सेवन आपकी त्वचा को यूवी किरणों से बचाने में मदद कर सकता है क्योंकि यह त्वचा में जहरीले यौगिकों के उत्पादन को रोकने में मदद करता है।

8. मूत्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है

अनार का रस आपके मूत्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और गुर्दे की पथरी को रोकने में मदद कर सकता है। एक अध्ययन के अनुसार, अनार का अर्क अपनी एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि के कारण गुर्दे की पथरी के विकास को रोकने में मदद कर सकता है।

अनार के जूस के साइड इफेक्ट

हर अच्छी चीज के साथ कुछ बुराई भी छिपी होती है। अनार के रस में भी कई स्वास्थ्य लाभों के साथ कुछ साइड इफेक्ट्स हैं। इसलिए इससे बचने के लिए कम मात्रा में इसका सेवन करें। इसके अलावा, जिन लोगों को अनार से एलर्जी है, उन्हें इस जूस को पीने से बचना चाहिए। वहीं अगर आपकी दवाइयां चल रही हैं या फिर आप डाइटिंग कर रहे हैं, तो इसे अपने आहार में शामिल करने से पहले अपने चिकित्सक से सलाह जरूर लें।

प्लास्टिक के विरोध में कपड़ों की लाखों थैली बांटने वाली अनुभा पुंढीर को मिलेगा विष्णु प्रभाकर स्मृति राष्ट्रीय सम्मान

कमलेश- साहित्य, जनक दबे- पत्रकारिता, सीताराम - शिक्षा और अर्पणा - कला के लिए होंगें सम्मानित

हेमलता म्हस्के

नई दिल्ली। प्लास्टिक के विरोध में गांव -गांव और शहर -शहर में सघन अभियान चलाने वाली डॉ अनुभा पुंढीर को समाज सेवा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए विष्णु प्रभाकर स्मृति सम्मान देने की घोषणा की गई है।

अनुभा जानी मानी नृत्यांगना भी हैं लेकिन अपने गृह राज्य उत्तराखंड में प्लास्टिक के इस्तेमाल के विरोध में उन्होंने लाखों लोगों को अपनी संस्था की ओर से कपड़े के थैले मुहैया कराए। उनके प्रयास से असंख्य लोगों ने खुद को सदा के किए प्लास्टिक से अलग थलग कर लिया।

इनके अलावा दिल्ली के कमलेश कमल को साहित्य के लिए, अहमदाबाद गुजरात के- जनक दवे को पत्रकारिता के लिए गांधीनगर के सीताराम बरोट 'सत्यम' को शिक्षा के लिएऔर दिल्ली की- अपर्णा सारथे को कला के लिए विष्णु प्रभाकर स्मृति सम्मान दिए जायेंगे।

राष्ट्रीय स्तर का यह सम्मान गांधी हिंदुस्तानी साहित्य सभा, नई दिल्ली और विष्णु प्रभाकर

प्रतिष्ठान, नोएडा द्वारा संचालित सन्निधि संगोष्ठी की ओर से दिया जाएगा। पिछले दस सालों से सन्निधि संगोष्ठी द्वारा हरेक साल में दिसंबर में काका साहब कालेलकर और जून में विष्णु प्रभाकर की याद में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली पांच- पांच युवा हस्तियों को काका साहब कालेलकर सम्मान और विष्णु प्रभाकर सम्मान से सम्मानित किया जाता है। ये सम्मान युवा हस्तियों में नैतिक ऊर्जा भरते हैं और युवाओं में उत्साह का संचार होता है। वे प्रोत्साहित होकर सृजन के नए आयाम रचते हैं।

विष्णु प्रभाकर प्रतिष्ठान के मंत्री अतुल कुमार के मुताबिक ये सम्मान युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए दिए जाते हैं। इस साल विष्णु प्रभाकर सम्मान समारोह 17 जून को दिल्ली स्थित सन्निधि सभागार में आयोजित किया जाएगा।

समारोह के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध राष्ट्रीय दैनिक

जनसत्ता के संपादक और दर्जनों किताबों के लेखक मुकेश भारद्वाज सभी युवा हस्तियों को सम्मानित करेंगें।

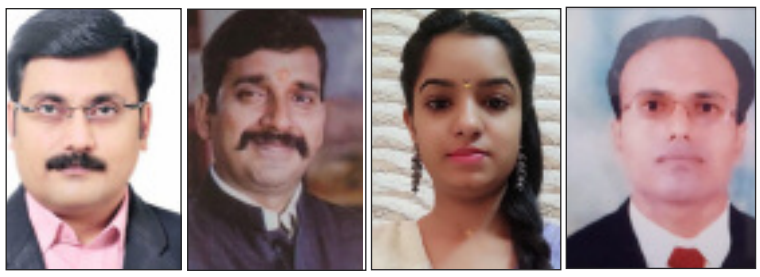

उन्होंने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए देहरादून की डॉ अनुभा पुंढीर को सम्मानित किया जाएगा। एडिथ कैविन यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया से एम बी ए, पर्यावरण विज्ञान में स्नातक, एस एम यू बडोदरा से भारतीय नाट्यकला में स्नातक व आपदा प्रबंधन व योग तथा मनोविज्ञान में डाक्टरेट की उपाधि प्राप्त तथा आई आई एम बंगलूर से जुड़ी प्रोफेसर डा०अनुभा पुंढीर वैसे तो जानी मानी नृत्यांगना हैं लेकिन उनकी उत्तराखंड राज्य में प्लास्टिक विरोधी अभियान की प्रमुख और देश में पर्यावरण रक्षा हेतु समर्पित कार्यकर्ता के रूप में सर्वत्र ख्याति है।

वे आज भी इस अभियान में जोर-शोर से लगी हैं तथा जनजागरण के द्वारा प्लास्टिक विरोध की आवाज बुलंद कर रही हैं। वे कई पुरस्कारों से सम्मानित की जा चुकी हैं। साहित्य के लिए कमलेश कमल को विष्णु प्रभाकर राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

कमलेश कमल पिछले 15 सालों से साहित्य लेखन के क्षेत्र में सक्रिय हैं,आई टी बी पी के डिप्टी कमांडेंट कमलेश कमल ने हिंदी के विकास के लिए अनेक विश्वविद्यालयों में विमर्श का आयोजन किया।

कमल पूरी तरह से हिंदी साहित्य के विकास के लिए समर्पित हैं और अनेक संस्थाओं के जरिए हिंदी के विकास के लिए निरंतर कार्यरत हैं इनको कई सम्मानो से भी नवाजा गया है। कई किताबें भी प्रकाशित हुई हैं। दो हजार से अधिक रचनाओं का सृजन भी किया है।

इसी तरह सीताराम बरोट सत्यम को शिक्षा के लिए सम्मानित किए जायेंगे। लेखन और अन्य प्रदर्शन कला के जरिए बच्चों को शिक्षित करने के क्षेत्र में सीताराम की भूमिका बहुत अहम है। अपर्णा सरथे को कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए विष्णु प्रभाकर राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

अहमदाबाद गुजरात के जनक दबे को श्रेष्ठ पत्रकारिता के लिए सम्मानित किया जाएगा। उन्होने युक्रेन के युद्धग्रस्त क्षेत्र की लाइव कवरेज की, इस क्षेत्र में कार्य का इन्होने विशेष प्रशिक्षण लिया है।

ज्योत्स्ना शर्मा प्रदीप
(देहरादून)

चलो भरें हम भू के घाव

(जयकरी/चौपाई छन्द)

धरती जीवन का आधार।
धरती पर मानव - परिवार।।
जीव - जंतु की भू ही मात।
धर्म - कर्म कब देखे जात।।

झील, नदी, नग, उपवन, खेत।
हिमनद, मरुथल , सागर,रेत ।।
हिना रंग की मोहक भोर।।
खग का कलरव नदिया शोर।।

करे यहाँ खग हास-विलास ।
अलि, तितली की मधु की प्यास।।
सजा रहे रजनी के केश।।
तारों के दीपित हैं वेश।।

नभ में शशि -रवि के कंदील।
चमकाते धरती का शील।।
युग बदला मन बदले भाव।
मानव के अब बदले चाव।।

हरियाली के मिटे निशान।
वन, नग काटे बने मकान।।
मानव के मन का ये खोट।
मही -हृदय को देता चोट।।

मत भूलो हम भू - संतान।
करो सदा सब माँ का मान।।
हरियाली का कर फैलाव।
चलो भरें हम भू के घाव ।।

कहानी: रेलवे फाटक

इंदिरा दाँगी

बाबूजी कितने सच्चे यक़ीन से कहते थे, "न बेटा, गलत बात! किसी का कर्जा लेके मरेंगे तो अगले जन्म में बैल बनके चुकाना पड़ेगा!" बाबूजी अब दुनिया में भले न हों; लेकिन अपने दिए संस्कारों में शेष हैं। ...संस्कार हैं कि लाख खर्चने पर भी कम नहीं होते!

...संस्कार हैं कि लाख खर्चने पर भी कम नहीं होते! रेलवे क्रॉसिंग का फाटक बंद होते ही, फ़ोरलेन सड़क के दोतरफ़ा, दूर तक वाहनों की भीड़ लग गई।

नंदन ने स्कूटर की चाबी बंद-स्थिति की ओर घुमाई ...पेट्रोल के दाम आसमान छू रहे हैं! चिलकती धूप में दूर तक चौपहियों, दुपहियों के चिड़चिड़ाते-परेशान ड्रायवर हैं। नंदन ने सोचा, आधा मिनिट भर में ये जो अनगिनत गाड़ियाँ इधर-उधर आ रुकी हैं, इनकी क़ीमत करोड़ से तो ऊपर होगी! ... आधा मिनिट भर में करोड़! और उसकी वेतन है आठ हज़ार रुपये महीना। बचत पाँच-सात सौ बमुश्किल! उसका मन हँसता है; ईश्वर तेरी माया, कहीं धूपकहीं छाया!

...और ईश्वर से परम डरने वाले उसके निरीह बाबूजी संस्कारों की पाटी पर जिंदगी का चंदन घिसते-घिसते मर गये। बेमन से ही सही, वो भी घिस ही रहा है अपने आप को उसी पाटी पर! लाख चाहे वो, कभी बन ही नहीं सकता, सोच भी नहीं सकता उन चार सौ बीसियों के बारे में जिनसे रातोंरात ऐसी एसयूवी-एमयूवी-सेडॉन गाड़ियाँ ख़रीदी जा सकें! बाबूजी कितने सच्चे यक़ीन से कहते थे, "न बेटा, गलत बात! किसी का कर्जा लेके मरेंगे तो अगले जन्म में बैल बनके चुकाना पड़ेगा!" बाबूजी अब दुनिया में भले न हों; लेकिन अपने दिए संस्कारों में शेष हैं। ...संस्कार हैं कि लाख खर्चने पर भी कम नहीं होते!

गाड़ियों की चिल्लपों, मौसम की उमस, उड़ती धूल और हर स्कूटर-कार की -और - और आगे, क्रासिंग लाइन के बिल्कुल पास जा पहुँचने की होड़-जल्दबाज़ी को नंदन देख रहा है। मोटरसाइकिल वाले एक परिवार के लोग -युवा दम्पति और उनकी दो नन्ही बेटियाँ -बंद क्रॉसिंगगेट के नीचे से निकलकर पटरियाँ पार कर रहे हैं। उधर, दूर दिशा से रेल अपने आने की व्हिसल 'कूँऊँऊँऊँ, कूँऊँऊँऊँऊँ' की ध्वनि में जैसे किसी हत्यारिन की तरह अंतिम धमकियाँ देती है। दम्पति की पीछे रह गयीं बेटियाँ अपनी नन्ही-लिटपिटाई दौड़ में पटरियाँ पार कर रही हैं। ...हिन्दुस्तान में अधिकांश शिक्षित लोग वास्तव में अर्द्धशिक्षित हैं!

सब-की-सब, वे करोड़ों की गाड़ियाँ क्षणांश में आगे जाने को आतुर हो उठीं। बहुत उतावलेपन में कई बोनट-मडगार्ड अपने अगलों-पिछलों से छुल गये हैं; रेलवे फाटक नहीं खोला गया है।

शायद दूसरी रेल भी पास होगी। वाहन और वाहन वाले अपनी-अपनी जगह कसमसाकर रह गये हैं। अब पहले से कहीं अधिक दुपहिये-साइकिल सवार क्रॉसिंग गेट के नीचे से निकल-निकलकर बंद पटरियाँ पार करने लगे हैं।

लोगों में कुछ क्षणों का भी धैर्य चुक गया है जैसे। नंदन को कोई शायर याद आता है,

इस शहर में हर शख़्स परेशान-सा क्यूँ है?

"होरा ले लोऽ ! बूँट ले लोऽ !''

होरहा बेचने वाले ठेले की तरफ़ उसका ध्यान गया। काबुली होरहों के ताज़े भुने ढेर से उठती ख़ुशबू यहाँ तक उड़ आई है। 'बच्चों के लिए लेता चलूँ' सोचकर नंदन ने गाड़ियों की भीड़ में से जैसे-तैसे निकालकर स्कूटर सड़क के किनारे ठेले के पास को कर लिया।

"होरहे कैसे दिये?"

"अस्सी रुपये किलो।"

हैसियत-पार की चीज़ से तुरंत ध्यान हटाया नंदन ने।

"ये बिना भुने?"

"ये साठ के किलो हैं।''

उसने दिल में कहा, "साली, हर चीज़ इतनी मँहगी है इस शहर में!'' और प्रत्यक्ष में ठेले के एक कोने पर रखे बूँटों की ओर इंगित किया,

"और बूँट क्या भाव लगाओगे?"

"पच्चीस रुपये किलो।"

"बीस लगाओ।"

"कितने किलो लेंगे?"

"आधा किलो।"

"ठीक है।"

ठेलेवाला बूँट तोल रहा है। नंदन होरहे का एक दाना उठाकर मुँह में डाल लेता है। हूँऊँऊँ, क्या बढिया स्वाद! लगता है, नमक डालकर भूने हैं! काश, ये ही ख़रीद पाता! वो सोच रहा है।

तभी एक बूढ़ी लौहपीटनी वहाँ आ रुकी है। उसके सिर पर लोहे के वज़नदार बर्तनों की टोकरी है जिसे वो हर दिन घंटों उठाये रहने को विवश है -शायद उम्र भर से। उसने होरहों का भाव पूछा है; फिर चुपचाप आगे बढ़ गई है।

...सब स्वाद सबकी पहुँच में होते काश ! इधर दूसरी रेल भी गुज़र गई। फ़ाटक खुलने को है। दुपहिये, चौपहिये अपने चुके हुए धैर्य के साथ दौड़ लगा देने को हड़बड़ाये-बेचैन!

ठेलेवाले ने तोलकर बूँट उसे पकड़ा दिये।

"अरे, पन्नी में तो दो!"

"पन्नी नहीं है सा'ब। आजकल बड़ी कड़ाई होने लगी है पन्नी की मोटाई-पतलाईपे; सो हमने रखनी ही छोड़ दी।"

"अब मैं स्कूटर पर रखूँगा कहाँ?" - झुंझलाये नंदन ने अगली ओपन डिग्गी में बूँट जबरन ठूँस दिये हैं जहाँ उसका खाने का ख़ाली डिब्बा, एक सुतली, एक टूटा इंडीकेटर और पानी से अधभरी पाँच सौ एमएल वाली सॉफ़्टड्रिंक मार्का बोतल रखी थी।

कुछ बूँटस्कूटर में पैर रखने वाली ख़ाली जगह के बीच आ गिरे। अब एहतियात से स्कूटर चलाकर ले जाना पड़ेगा; रफ़्तार से कहीं राह में न गिर जायें!

स्कूटर पर खड़े-खड़े इधर नंदन ने पैंट की पिछली ज़ेब में पर्स निकालने के लिए हाथ डाला। उधर रेलवे फ़ाटक खुल गया है और भीड़मभीड़ मचाते दुपहिये-चौपहिये दौड़ने को तैयार हो रहे हैं ...यहाँ जीवन एक अनंत दौड़ है जैसे! क्या वाकई अनंत? नंदन की ज़ेब से पर्स नदारत है। ...इस ज़ेब ...उस जेब़ -कहीं भी नहीं!

ओह! घर पर ही भूल आया आज! और दिन भर कार्यालय में उसे ये बात पता भी नहीं चली ?...शहर की रफ़्तार सबसे पहले दिमाग़ को बदहवास करती है!

चेहरे पर सच्चे अफ़सोस के साथ, नंदन ने सब बूँट समेटकर ठेलेवाले की ओर बढ़ाये,

"सॉरी यार, मैं पर्स घर पर ही भूल आया!''

" पर्स भूल आये ? ...''

"लो वापिस ले लो अपने बूँट।''

पर नंदन के आगे बढ़े हाथ से अब तक ठेलेवाले ने बूँट वापिस नहीं लिए थे।

"...तो कोई बात नहीं! उधार ले जाइये। आपने जरूर अपने बच्चों के लिए लिये हैं!''

...आम आदमी की तजुर्बेकार नज़र!

"पर मैं तुम्हारे पैसे चुकाऊँगा कैसे? कल तुम यहीं मिलोगे ?''

-नंदन ने बूँट वापिस स्कूटर की ओपन डिग्गी में समेट लिये।

"अगर मिल गया तो दे देना।'' मस्त कलंदर वाली आवाज़ में ठेलेवाले ने कहा।

अब, दरअसल पहली बार, नंदन ने ठेले की बिकाऊ चीज़ों से नज़र ऊपर उठाते हुए ठेलेवाले के चेहरे को देखा। ...इतना संतोष कैसे ?

पीछे से बहुत हार्न बजने लगे। हड़बड़ी में नंदन ने स्कूटर को रफ़्तार दे दी; ठेलेवाले को धन्यवाद कह पाने का भी समय न मिल सका।

dangiindira4@gmail.com

BNM Fantasy
Monday
18 December 2023

प्रियंका ने मुंबई की दो प्रॉपर्टी बेचीं

बॉलीवुड से इंटरनेशनल स्टार बनी प्रियंका चोपड़ा ने मुंबई में अपने दो पेंटहाउस बेच दिए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक़, उन्होंने ये पेंटहाउस फिल्म डायरेक्टर, स्क्रिप्ट राइटर और प्रोड्यूसर अभिषेक चौबे को बेचे हैं। बताया जा रहा है कि ये दोनों पेंटहाउस अंधेरी मुंबई के ओशिवारा इलाके के लोखंडवाला कॉम्पलेक्स में मौजूद हैं और इनका सौदा प्रियंका चोपड़ा ने 6 करोड़ रुपए में किया किया है। इन दोनों ही प्रॉपर्टीज का साझा रूप से एरिया 2,292 वर्गफीट बताया जा रहा है। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक़, प्रियंका चोपड़ा का पहला पेंटहाउस लगभग 860 वर्गफीट में फैला हुआ है और सबसे ऊपरी माले पर है।

ऊ

ऊप्स मोमेंट का शिकार हुईं जिया शंकर

जानी-मानी टेलीविजन स्टार जिया शंकर ने रियलिटी शो 'बिग बॉस ओटीटी सीजन 2' से खूब सुर्खियां बटोरीं। आए दिन अभिनेत्री रैम्प वॉक पर अपनी अदायगी का जलवा बिखेरती नजर आती हैं। हालांकि, एक फिल्म फेस्टिवल इवेंट में शामिल होने के दौरान जिया ऊप्स मोमेंट का शिकार हो गईं, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हाल ही में, जिया शंकर जियो मामी फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुईं। अभिनेत्री जब पैपराजी को पोज देते हुए फोटो खिंचवा रही थीं, तभी उनके साथ कुछ ऐसा हुआ, जिसकी वजह से पैपराजी के मुंह से 'बाप रे' निकल गया। दरअसल, हुआ यूं कि जिया शंकर जब पैपराजी को पोज दे रही थीं, तभी उनकी स्ट्रैप कंधे से फिसल गई और पैपराजी ने रिएक्ट किया, "अरे बाप रे।" वार्डरोब मालफंक्शन का शिकार होने पर अच्छे-अच्छों की हवाइयां उड़ जाती हैं, लेकिन जिया ने इसे बहुत ग्रेसफुली संभाला। उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, "ऐसा कुछ नहीं हुआ है।" जिया शंकर का ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है और अभिनेत्री का कॉन्फिडेंस फैंस को भा गया है। एक यूजर ने कहा, 'उन्होंने बहुत अच्छी तरह से संभाला।' एक यूजर ने लिखा, 'उन्होंने बहुत अच्छे से हैंडल किया।' एक ने अभिनेत्री की तारीफ में कहा, 'वह बहुत गॉर्जियस लग रही हैं।' एक और ने कमेंट किया, 'आप बहुत हंबल हैं जिया मैम।' इसी तरह लोगों को जिया का जेस्चर पसंद आ रहा है।

बिग बॉस हाउस में फिर भिड़ीं टीवी की ये दो बहुएं

ऐश्वर्या ने अंकिता को बताया 'इनसिक्योर'

सलमान खान के मोस्ट कंट्रोवर्शियल शो 'बिग बॉस-17' में इस हफ्ते कई ट्विस्ट एंड टर्न्स देखने को मिलेंगे. जहां मुनव्वर फारूकी का गेम बिगाड़ने के लिए एक हसीना की घर में एंट्री हो गई है. तो वहीं दूसरी तरफ टीवी की दो बहुएं अंकिता लोखंडे और ऐश्वर्या शर्मा भी आपस में बुरी तरह से भिड़ गईं. सलमान खान के मोस्ट कंट्रोवर्शियल शो 'बिग बॉस-17' में हर हफ्ते कई ट्विस्ट एंड टर्न्स आ रहे हैं. जहां 'वीकेंड के वार' में खानजादी घर से बेघर हो गईं, तो वहीं मुनव्वर फारूकी का गेम बिगाड़ने के लिए बिग बॉस हाउस में एक हसीना की एंट्री हो गई है. अपनी शायरी और मजेदार अंदाज से सबके दिलों पर अबतक राज करने वाले मुनव्वर फारूकी के चेहरे का उड़ा रंग देखकर फैंस भी काफी हैरान रह गए हैं. हालांकि, इन सबसे हटकर टीवी की दो पॉपुलर बहुएं अंकिता लोखंडे और ऐश्वर्या शर्मा की कैटफाइट भी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है. हाल ही में बिग बॉस-17 का लेटेस्ट प्रोमो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. जिसमें अरबाज और सोहेल खान ने अंकिता लोखंडे से एक कंटेस्टेंट का नाम पूछा, जो अपने दम पर गेम न खेल रहा हो, इस पर एक्ट्रेस ने ऐश्वर्या शर्मा का नाम ले लिया. हालांकि, बाद में पति विक्की और नील की लड़ाई के बीच भी दोनों हसीनाएं आपस में भिड़ती नजर आईं. अंकिता लोखंडे और ऐश्वर्या शर्मा का बिग बॉस के घर में शुरुआत से रिश्ता कुछ खास अच्छा नहीं रहा है. दोनों ही हसीनाएं एक दूसरे के मुद्दों पर अक्सर राय रखती नजर आ जाती हैं. हालांकि, इस बार भी अंकिता लोखंडे के एक फैसले के बाद ऐश्वर्या शर्मा ने उन्हें फेक बता दिया. वीडियो में पहले तो विक्की जैन ने नील के पास आकर ऐश्वर्या को संभालने को कहा, जिसके बाद चारों कंटेस्टेंट्स के बीच बवाल ही हो गया. इस झगड़े में अंकिता लोखंडे और ऐश्वर्या शर्मा काफी पर्सनल भी हो गईं. अंकिता कहती दिखी कि, ऐश्वर्या का असली चेहरा सबको दिख चुका है, ये है ही ऐसी. ये सुनने के बाद ऐश्वर्या शर्मा भी आग बबूला हो गईं. उन्होंने अंकिता लोखंडे को उनका रिश्ता बचाने की सलाह दे दी. साथ ही कहा कि, वो इनसिक्योर होने के साथ-साथ फेक भी हैं.